गैर मानव पर दवा परीक्षण पर की चर्चा

सीएसआईआर-सीरी में 'रीसेन्ट ट्रेंड्स इन ट्रांस्ड्यूसर्स एंड एक्चुएटर्स (आरटीटीए 2019)' पर कार्यशाला

पिलानी (सीमा सन्देश)। सीएसआईआर-केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीरी), पिलानी में 21 जनवरी को 'रीसेन्ट ट्रेंड्स इन ट्रांसड्यूसर्स एंड एक्चुएटर्स' पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। संस्थान के स्मार्ट सेंसर्स एरिया द्वारा आयोजित कार्यशाला का उद्घाटन प्रात: 9.30 बजे संस्थान के पुराने सभागार में किया गया।

इस अवसर पर सीएसआईआर-सीरी के पूर्व निदेशक एवं एसीएसआईआर के कुलाधिपति (चांसलर) प्रो. चंद्रशेखर मुख्य अतिथि तथा भारत सरकार के उपक्रम सेमिकंडक्टर लैबोरेट्री के निदेशक सुरिंदर सिंह विशिष्ट अतिथि थे। अध्यक्षता प्रो. राजसिंह, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी ने की। इस अवसर पर आईआईटी-दिल्ली के डॉ भास्कर मित्र एवं डॉ समरेश दास, आईआईटी-जोधपुर के डॉ महेश कुमार तथा एमएनआईटी-जयपुर के डॉ सी पेरियासामी द्वारा की-नोट व्याख्यान दिए गए। कार्यशाला के दौरान आमंत्रित वक्ताओं व प्रतिभागियों द्वारा देश में हेल्थकेयर, संचार, लैब-ऑन-चिप द्वारा गैर-मानव पर दवा परीक्षण आदि महत्वपूर्ण विषयों पर किए जा रहे अत्याधुनिक शोध कार्यों पर चर्चा की गई। साथ ही देश में मेम्स सेन्सर और प्रणालियों के विनिर्माण की वर्तमान स्थितियों व बाधाओं पर विशेष परिचर्चा सत्र (पेनल डिस्कशन) किया गया। इस अवसर पर कार्यशाला के प्रतिभागियों के अतिरिक्त संस्थान के वैज्ञानिक एवं अन्य सहकर्मी भी उपस्थित थे।

उद्घाटन अवसर पर प्रो. राज सिंह ने स्वागत उद्बोधन में वर्तमान में ट्रांसड्यूसर्स और एक्चुएटर्स सहित स्मार्ट सेंसर्स के क्षेत्र में हो रहे शोध कार्यों की उपयोगिता एवं महत्व पर चर्चा की। उन्होंने इस क्षेत्र में संस्थान की गतिविधियों पर भी संक्षिप्त चर्चा की तथा संस्थान की प्रमुख शोध गतिविधियों पर भी प्रकाश डाला।

इससे पूर्व आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ अजय अग्रवाल, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवं क्षेत्र समन्वयक, स्मार्ट सेंसर्स ने कार्यशाला के आयोजन की पृष्ठभूमि तथा इसकी रूपरेखा पर प्रकाश डाला। संचालन संस्थान के वैज्ञानिक डॉ अंकुश जैन ने किया। उन्होंने उपस्थित प्रतिभागियों एवं संस्थान के सहकर्मियों को मुख्य अतिथि डॉ चंद्रशेखर, विशिष्ट अतिथि सुरिंदर सिंह सहित सभी आमंत्रित वक्ताओं का परिचय दिया।

तकनीकी सत्र कार्यशाला के तकनीकी सत्र के दौरान वक्ताओं ने निम्नलिखित विषयों पर अपने प्रस्तुतीकरण दिए। सत्र 1-सत्राध्यक्ष-प्रथम सत्र की अध्यक्षता पूर्व निदेशक, सीएसआईआर-सीरी एवं मुख्य अतिथि प्रोफेसर चंद्रशेखर, कुलाधिपति, एसीएसआईआर एवं वरिष्ठ इमेरिटस प्रोफेसर बिट्स-पिलानी ने की। आमंत्रित व्याख्यान 1. माइक्रोसेन्सर डेवलपमेन्ट एट एससीएल वक्ता- सुरिन्दर सिंह, निदेशक, सेमिकंडक्टर लेबोरेट्री, मोहाली पोस्टर सत्र: इस सत्र में प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुत शोध पत्रों के पोस्टर प्रदर्शित किए गए। चयन प्रक्रिया के उपरांत समिति द्वारा प्रदर्शन के लिए कुल 10 पोस्टरों का चयन किया गया। इस प्रकार अन्य ने विभिन्न व्याख्यान दिए। इससे पूर्व कार्यशाला के दौरान संस्थान के मुख्य वैज्ञानिक डॉ जमील अख्तर तथा डॉ कमलजीत रांगरा को सेमिकंडक्टर युक्तियों एवं स्मार्ट सेंसर्स के क्षेत्र में उनकी शोध उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि डॉ चंद्रशेखर ने डॉ अख्तर एवं डॉ रागरा को शॉल एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर डॉ जितेन्द्र सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा दीपक बंसल, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने क्रमश: डॉ अख्तर और डॉ रांगरा की शोध की उपलब्धियों पर संक्षेप में प्रकाश डाला।

साथ ही, सेमिकंडक्टर लैबोरेट्री, मोहाली के निदेशक ने भी अपनी प्रयोगशाला की ओर से सम्मान स्वरूप डॉ अख्तर और डॉ रांगरा को शॉल भेंट कर सम्मानित किया।

पेनल चर्चा कार्यशाला के अंतिम चरण में पेनल परिचर्चा सत्र का आयोजन किया गया। पेनल चर्चा का संचालन प्रोफेसर राज सिंह, मुख्य वैज्ञानिक, सीएसआईआर-सीरी ने किया।